8/10/2022

Page No.: PANKAJ

Date : / /

Ch-3

⇒ सरकार ने उन क्षेत्रों पर ज्यादा संसाधन स्थापित करने का फैसला किया जहाँ सिंचाई सुविधा उपलब्ध थी। सरकार ने उच्च गुणवत्ता के बीज उर्वरक, कीटनाशक तथा बेहतर सिंचाई सुविधा बड़े अनुदानित मूल्य पर उपलब्ध कराना शुरू किया। यही उस घटना की शुरुआत थी जिसे 'हरित क्रान्ति' के नाम से जाना जाता है।

⇒ हरित क्रान्ति से देश में खाद्यान्न की उपलब्धता में वृद्धि हुई। पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्र कृषि की दृष्टि से समृद्ध हो गये। कृषि में मध्यम श्रेणी के किसानों का उभार हुआ।

(V) बाद के बदलाव :—

⇒ सन् 1967 के बाद की अवधि में निजी क्षेत्र के उद्योगों पर बाधाएँ आईं। 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। सन् 1950 – 1980 के बीच भारत की अर्थव्यवस्था 3 - 3.5% वार्षिक की धीमी गति से आगे बढ़ी।

⇒ सार्वजनिक क्षेत्र उद्योगों में व्यापत भ्रष्टाचार व अकुशलता तथा नौकरशाही द्वारा आर्थिक विकास में अधिक सकारात्मक भूमिका नहीं निभाने के कारण जनता का विश्वास टूट गया। फलस्वरूप देश की नीति निर्माताओं ने सन् 1980 के दशक के पश्चात से अर्थव्यवस्था में राज्य की भूमिका को कम कर दिया।

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

★ पंचवर्षीय योजना :— भारतीय योजना आयोग ने पँचवर्षीय योजनाओं का विकल्प चुना। इसके अन्तर्गत विचार या कि भारत सरकार अपनी ओर से एक दस्तावेज तैयार करेगी, जिसमें अगले पाँच वर्षों के लिए उसकी आय और व्यय की योजना होगी। सन् 1951 में प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रारूप जारी हुआ।

★ मिश्रित अर्थव्यवस्था :— भारत ने विकास के दो मॉडलो पूँजीवादी व समाजवादी की कुछ बातों को ले लिया जाता है तथा अपने देश में इन्हें मिले-जुले रूप में लागू किया। इसी कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते है।

★ जोनिंग या इलाकाबंदी :— बिहार में खाद्यान्न संकट सबसे अधिक विकराल था। बिहार में उत्तर भारत के अन्य राज्यों की तुलना में खाद्यान्न की कीमतें काफी बढ़ी। अपेक्षाकृत पंजाब की तुलना में गेहूँ और चावल बिहार में दोगुने दामों में बिक रहे थे। सरकार ने उस वक्त जोनिंग या इलाकाबंदी की नीति अपना रखी थी। इसी वजह से विभिन्न राज्यों के बीच खाद्यान्न का व्यापार नहीं हो पा रहा था।

PANKAJ
Page No.:
Date: / /

★ अमूल :— 'मिल्कमैन ऑफ इण्डिया' के नाम से प्रसिद्ध वर्गीज कूरियन ने 'गुजरात सहकारी दुग्ध एवं विपणन परिसंघ' के विकास में मुख्य भूमिका निभाई और अमूल की स्थापना की। गुजरात के 'आणंद' शहर में सहकारी दुग्ध उत्पादक संस्था 'अमूल' आज भी कायम है।

★ श्वेत क्रान्ति / दुग्ध क्रान्ति :— ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन के लिहाज से 'अमूल' नाम की सहकारी संस्था का एक अनूठा और कारगर मॉडल है। इस 'मॉडल' के विस्तार को 'श्वेत क्रान्ति' के नाम से जाना जाता है।

★ ऑपरेशन फ्लड :— सन् 1970 में 'ऑपरेशन फ्लड' के नाम से एक ग्रामीण विकास कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ था। ऑपरेशन फ्लड के अन्तर्गत सहकारी दुग्ध उत्पादकों को उत्पादन और विपणन के एक राष्ट्रव्यापी तंत्र से जोड़ा गया। इस कार्यक्रम में डेयरी के काम को विकास के एक माध्यम के रूप में अपनाया गया था जिससे ग्रामीण लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

★ पी. सी. महालनोबिस (1893-1972) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विख्यात वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीविद्। (द्वितीय योजना के योजनाकार)

★ जे. सी कुमारप्पा (1892-1960) इन्होंने गाँधीवादी आर्थिक नीतियों को लागू करने की कोशिश की तथा योजना में सक्रिय भूमिका निभाई।